ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

अथ जन्म पत्रिका

गणित कर्ता

मिलने का पता—विजयेश्वर ज्योतिष कार्यालय
बिज बिहारा, काश्मीर

वितस्ता
माहात्म्यम्

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय गुरवे ॥ श्री [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

स्थित: अस्य द्विमेक कपित, हृणभट्टे भद्रेश्वरि ।
यत्र विमलालोके, विष्णवे मत्स्य स्तम भक्तिं भूमि
त्वं विशाभिष्ट त्रि रूपाक्त: अस्य द्विमेक कपित लक्ष्मी वि
वत्स्य यत्र मेवी विडम्भम भिलि समवि मेकया उत्तर
क्षमये मेव: कस्तुते अत्र भवभभ । वगल श्री कल्पवम
स्वयाग कल्पवामत: यत्र लं लक्ष्मत्र भृमेक हृदयम्
तत्र: विमेक भिलित यत्र विष्णुया भद्रेश्वरि अगजा
इभक त्वं विपक्ष लक्ष्मी प्रदेये: विप्रहं कपिलानं समस्त
त्रिविणि मय: भूपमूर्य मवि मूल्य यत्र लं भव वभुया
ग अत्र लं भभव श्रीत्रि भक्त भक्त समस्त जाग । गया योपि
हृस्वत्र यावक लं भद्रेश्वरि यत्र लं भभव श्री त्रिमुक्ति कद
श्रावत: भृभुयाज्ञ अत्र लं त्वं वि त्वइ कद विमावनु
भूयाग भाष्य भाभिउ यत्र कल्पं मतं श्रिय भक्तु यत्र ल
भश्री त्रिउमेक देवभक्ति यत्र लं लक्ष्मी त्रिउ त्र भथ यत्व
मित: अत्र लं लक्ष्मी हृदय हृदभा भा भव: उल
खरूप हृदये मया भद्रं भद्रेश्वरि, भवम्सत्पत्र पहुभ,
हुवक्र लं मतं श्रिये अत्र श्री त्रि भद्रेश्वरि हृदभानन्द नभद्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

सर्वदेवीयानि: पुरः पुरतस्तव सर्वदेवमी
विष्णुर्भगवतः प्रिये सर्वाणि भद्रदेवैर्वि
ष्णुः परमपावनः उवाच तं पुनर्मार्कण्डेयं
देहतत्त्वे॥ भगवान् परमं गतिं यत्र विष्णु
प्रियेभद्र सर्वाभिवलिंतस्तल्वैः भवेत्स
र्गि तत्त्वं ततो देवी भगवान् शीघ्रः स
र्वपथ लिंलोकः यत्रयेभद्र ऋते तलिं
सर्वं तलोकं यानि भगवती भगः सर्वत्र
भवत्सर्वात् नित्यं तमभद्र सृष्टि सर्वस्य भवं
वासं यानि भगवती सर्व सर्वसर्वभद्र वि
ष्णुरगैव सृष्टि रक्षया लोकं तमभद्र मानि
देव शुभम विशेषतः तलीनं कृत्वा पुलोकं
वासं कवभक्तः ततस्त्वं देव देवमी विष्णु
र्गुरुर्भगवतः उपेन्द्रं नगवती यानि लोका
तदर्थितः वितस्य यानि योनिर्यो भद्र सिद्धि
पूर्वभद्रत यानि देवयलोके तलि देवे भद्रं

विष्णुपु. ०३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मन्त्रवर्ण[illegible] [illegible] ते नमो नमः कलय कलय
[illegible] कलकल[illegible] कलकलायमान[illegible]
कलय ते नमः भैरवः [illegible]
[illegible]ः पूर्णः शिवः [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]ः [illegible]
[illegible]ः [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]ः [illegible]
[illegible] [illegible]
हि॰ [illegible] [illegible]
वि॰पृ॰ [illegible] [illegible]
[illegible]७ [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] ॥

[illegible]

सुमअविणे सैवयद्भू नाम्नी प्रसिद्ध विदग्धमुखम
ण्डनमिति सम्प्रदायप्रसिद्धं विदग्धमुखम
ण्डनमप्यस्य पंसप्रत्यक्षं वै ववतेवैमण्ड
नाम्नी विदग्धमुखमण्डनालङ्कृतम् प्रनवप्रनालप
सिद्धिः विदग्धमुखमण्डनालङ्कृतं विदग्धमुखं
मण्डयति प्रस्तुतमविणिवस्तुष्टमस्य
विपक्षकलभा विदग्धमुखमण्डनालङ्कृतं नष्टं
यः प्रतिभानव: भयतिवक्रत्वनं य
श्रगाह्नमेमत अस्तुत्वेगविवरणेम स्तु
मन्येस्त्वविमेधत: समयं प्रतिमयं स
प्रनवनलपमनै: उप: प्रस्तुपपनै:
मुख्यैःपिमण्डनम्नी ममतिविपुलं मि
शं यम: कीर्तिमनउभभा मतेमय
सम्प्रीति उक्तिलै: मंसपन्ति मिवल्लेक
मवप्रीति मनमनंवनन्वे ॥ ठेवली ॥
कस्मिकलेमण्डमन मकननाककलीनत

विदग्ध. मं. ३७

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ११

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गम्भीरा

वण्कुंस उभ्र कृत्तेस्त्रगीभत्र गम्भीसुदविकसु
य: मङ्क्षगाम्भीरकठिण भ्रनाम्र त्रिभवप्रे
त्ति भङ्कं भङ्कंवरनत्रे ॥ गोप्यरू नैमिषारण्ये
दक्षेइ विमेधत्र: यद्गूलंलठत्रभयू: भ्रन
दनणपाद्मैः उद्भूलंलठत्रमेवि भ्रद्भूग
म्भीरमङ्क्षमे वण्जीमूयगीम ज्ञ्ञकेइ
भद्धिसुरि उलाध्रकृषयत्त्वाद्भु मृदलसन्
भ्रदयेः यद्भूलंलठत्रमध्र नरम्भीकुत्रभ
ख्रिय गम्भीरमङ्क्षमेभ्रद्धृ भस्त्रेस्वकदद्दय
धगस्त्वदभवप्रेति वरिलिपय ठलंतया त्रिल
भत्रभपीमानि सुकेगाम्भीरमङ्क्षमे पत्रूप
यिद्भूप्रेति मेकत्रलंठलंतया विस्त्रपण
टि॰ नभय्रत्र द्धत्त्व उएठलंलकेतर पाद्भयत्र
विउभ्र॰ प्रत्यं: कोपेत्रहविणनत्र: यनभ्रष्टको
भ॰ ह्र्स्त्र नरम्रलिपिमरणनभ ॥ गोप्ये वंपि
७ नत्रप्रेव पगनिङ्क रत्रेपिव नभ्र इनत्रिभ
प्रेत्ति भद्भूगाम्भीरमङ्क्षमे ॥ मस्त्र मणमज्ञ्ञ

वालियेयमतेनस यद्धलंमभवप्रोति भद्धउ
डीऊउउमे गम्भीरकठिणस्तवि भुप्रेटविकलं
ठलभ यक्तूयल मळमैत्र दृक्के: मतुयनेभु
व एलरुक्के मळस्तवि भुएयनैभुत्तवस म
हि दृढसमनि यद्धलंमभ्वयनर: उद्धलं
मभवप्रोति भद्धुगम्भीरमद्मम ॥ वार
कल्वरम भ्रूयगकैटिमगेउ: यद्धलंलठउ
मद्धुगङ्कय: भ्रवलक्रुउ: उद्धलंलठउस्तवि
भद्धगम्भीरमद्मम नमद्मम मनंडीडं नमद्म
ममभगति: नमद्ममभमप्रदं धवनंएग
स्मिकें मद्मभेसमहस्तवि कीटकैधिमतेय
मि उम्रकल्हेम्रयेस्तवें एपेतुगक्रमतुमग
विनप्रनंविनप्रहनं विनमेक्षुयविगुहभ
यमस्कयमउे हृत्र भेकमप्रोतिमंमयभ
गम्भीरमद्ममस्तवि विठिनउम्रुयेडय: उप्र
वेस्तक्षि लकुरू उगकं,एयनतमिव: मडेभेड
भवप्रोति नमेमत्रिसउरुड ॥ म्राम: पिवि

भ्रूविक्षेप [illegible] गम्भीरभट्टारकस्य [illegible]
[illegible] विमर्श [illegible] गम्भीरभट्टारकस्य [illegible] श्री
[illegible] विज्ञान [illegible]
[illegible] इति गम्भीरभट्टारकस्य [illegible]
[illegible]
गम्भीरभट्टारकस्य [illegible] गम्भी-
रभट्टारकस्येति यत् [illegible] विमर्शः [illegible]
[illegible]
[illegible] गम्भीर-
भट्टारक [illegible] श्री [illegible]
[illegible] इति कथि-
तं श्री गम्भीर [illegible] विज्ञानभ [illegible]
वि [illegible]
उ॰ विज्ञा॰ भा॰ ९१ [illegible] श्री [illegible] वि [illegible]
श्री [illegible] गोपनीयं गोपनीयं काले [illegible]
[illegible] ॥ ४ ॥ इति श्रीविज्ञानभ [illegible] ग-
म्भीरभट्टारकवर्णनं नाम पटलः ॥ ४ ॥ ४

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
नीयः प्रयत्नतः [illegible]
[illegible] ॥ इति विज्ञानभ
ट्टारक श्रीविज्ञानभैरवे [illegible] पटलः ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] पटलः ॥

[illegible]

विज्ञा. भ. [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

किं बहुनोक्तेन नरः पातकवक्कले वि-
मोक्षः [illegible] ललमसुस्य [illegible]
[illegible] भक्तोऽपि [illegible] लल-
[illegible] ॥ मह-
पातकयुक्तोऽपि युक्तो वा उपपातकैः [illegible]
मुक्तिमवाप्नोति [illegible] वै ललमसुकं लल-
[illegible] महापातककोटिभिः उ-
पपातककोटिभिः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] कले [illegible] ॥
[illegible] वै ललमसुकम [illegible]
[illegible] वै ललमसुकं
मुक्तिमवाप्नोति [illegible]
[illegible] लल-
[illegible] ॥ [illegible] ॥

सरटे विवितमुर्थं भद्धिमनमत्रतुमभा
यक्रूतभश्रुतेलत्रु स्रुडपत्रुक केटिठि:
विडवविषयेयस्तु समल: समडनक्रुत
भरभिद्रुभडद्रीपु एयतंपरमंभड:
कश्मश्रुतपेवीदं तश्नुतेवक्तवब्रभ:
वितभुनयनेस्व ससद्र: परमेस्तुरि गद्ध
डीतंलल्लिसमाङ्गे कत्रं पश्चुत उंनद्धीभ
डभिद्रु: मेकसंयुक्तः सिवगणनतप्र
र: उप्रवस्त्रपिभत्तुस्त्र उंनस्तीपपपर
सिनीभ सिद्रुतं श्रुतिकिस्त्रपिकस्र
परणेतम ससद्रुतं श्रुडणत्र स्रभत्र:
टि. परमेस्त्वर: नस्तीठि: भद्धितउड्ड विड
वितमु. श्रुपपरसिनी ससमत्रकवस्त्रेनि
सं. ३३ ह्रुतंलगस्तीस्तुरि छवपडनस्तीवेवी
स्रभत्रस्नि सिंदिव: वतं नउस्रुरि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रक्तलेलया गले: सचंभरू देवी समन्त
मन्त्रसिनी दष्टापतत्रीदेवी सीरजाम: प
पनिस्त्रय: सहस्रलयानसमन्त्रवेगेनरू
द्येतत: तत: क्रूद्र लगद्रत समन्तल
गरुस्त्रिक पद्युलयानदेवीसिरहसंम
द्वितलमा मद्गेलदतैदैत: संसयंपसं
गत: ततस्त्रकरसायंतसमुत्रीलगसी
श्रुति सयुहस्त्रतयासवंशंपंनसतसत्रि
न: ततःसंसमलिनदेवीलयानपसमेन्त्र
री सलिनविनतैदैत:पपतपपरिवीत
ल मुक्ति पतितदेवीपद्मेनकिरतत
कि॰ ७२ कि: मुत्तिंयकरंगणद्धसुरनज:
लदष्टमुंततेदेवीमुगलत्रवमनुसपि
दष्टुतरू सतेदेवीगलत्र सुस्पगस्म
क गलत्र द्वि रुससभ लस्म ष्ट्रमपवैलम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] विकल्पं [illegible]

[illegible] नाम

पटलः ॥ भैरवः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] विधिः ॥ [illegible]

[illegible] ३३

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

रस्तुतिरीश्वरि ॥ॐ नमः॥ १यरुद्रवामिरायम
मिद्धरूपय१गात्र भगमरुद्रवामदेलिरूप
रुविमृत नमश्चित्रवृविश्वभूमदसर्वयमभ्र
वे नाद्यायपरामिमायप१गादशिविरमित नमे
विभवेवणकृदशुदनमृत्युमिरे भूकमिरुभद
नरुपरतेरवक्षपिता नमभवृतयरुद्रवाय नभिष्ठ
उवभक्ते, नमकलरुद्रीयायावरुद्रगापरवाम
नमश्चिवयमिवयभ्रक्षद्रूयकलरूप परमा
भक्तभायायपराभाभ्यक्षपिता नमिष्टिरिभरु
पाद्यहृभैविविदिरयस भावदरुभरुपायपर
भाजयरूयुमः नमिष्ठवयमिवायनमिरीवेरुक
याय भदपृभिरूपायहातुजपूर्वणिर नम
पेरभूक्त्वालेकमेकविश्वभायायेरे भूकमिरुभद
नरुभरुदमरुरणीला नभपरमपरकादिमर
भेदरयोभः भूदपृरविभमाष्टिमिषुभिरय
रुगमः नभःभ्रपरविष्णुभूकमिरु१गारुय।

वि३
७३

[illegible]

[illegible] नमो देवि

[illegible] नमो [illegible]

[illegible] नमो [illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible]

नाविद्याय कलारूपाय ते नमः नमो यज्ञतत्त्वं ह्येयज्ञ
रूपधारिणे नमः यज्ञानन्दस्वरूपाय यज्ञविनाशिने
नमोऽनन्तशक्तिरूपाय सर्वांकितं चलनाय नित्य
प्रविष्टयज्ञरूपप्रतिष्ठाकाय नमो ब्रह्मरूपाय
शिववह्निरूपिणे नमो लक्ष्यालक्ष्यरूपाय शिवरू
पिणे नमः नमो विश्वरूपाय नित्यरूपाय ते नमः
सत्त्वरजस्तमोगुणस्वभावाय ते नमः नमः कुम्भा
यज्ञरूपाय चलनायेति कुम्भकभाय रेचकाय।
पूर्णविज्ञानायेति नमो ब्रह्मरूपाय रूपातीत
रूपिणे नमः सर्वरूपरूपाय यज्ञशिवरूपाय ते नमः
नमः शिवशक्तिरूपाय परमात्मने शिवस
रूपविज्ञानायेति परमात्मने नमो वागाधारिण
सर्वाधारविधिने वागाधाराय प्राणाधारपरमात्म
रूपिणे नमो मूलाधारस्वरूपाय मूलस्वरूप
विनायिने स्वरूपायेति हृदयकमलप्रभवाय

विठ-
३७

ज्ञभः नभःश्रुदेङ्कोऽश्यवक्रिरेइयवैरभः क्रुडि
क्रुथिऽरूदयनङ्गिवाभ्रायऽरभः नभिभइरु
क्रुपायूभवभइभयायेऽ भइक्रुरुत्रिभइवा
द्रयाभरभः नभिवरुभक्रुपायवरुगाभविण
त्थिं वरुगाभभदस्पारकगिलिरुक्रुरुपिरा।
नभिवरुगाभास्पारकरिइल्लविणायिरा वरु
गाभाक्रविह्नुनपाउङ्कुविरुाभः गिभःपाउडु
यभवऽङ्गुविवाभिरा भङ्गुक्रुत्रिउष्टभदम
दुयऽरभः नभिवरुवुवरुयभिवरुभदङ्गा।
भदमयभदक्रुयभदरुवायऽरभः नभिगुन
भक्रुपायपराभास्पदक्रुपिलि भम्रुरुयविरु
उष्टभास्पदयाभिरभः नभम्रिभिलाविश्रंभक
तिल्लिकलिगाभिरा गध्रायभ्रायवठ्ठुदिमेण
कयभिरभः नभम्रिभिवक्रुपायलड्डिगाभिम
क्रुपिलि ह्रिपांध्राघरुवयभिरुगावयऽरभः

नमश्रीउग्रवेउहं पशुपतयेविणायिने कलायिरुद्र
पायमदमकृ[illegible]शुयाय नमश्रिणमभद्र[illegible]
[illegible]विरामि [illegible]मयशिलेक[illegible]करनमे
नमः [illegible]करिलि[illegible]यिने [illegible]
[illegible]भरूपायज[illegible]मिनेनमः [illegible]वायवे
वायमवायमवरूपिने विरूपाक्षयदेवायनमो
[illegible]वरूपिने [illegible]भद[illegible]भरूपा
पिने लम्बरूपायसेवायसुरूपायनेनमः ।
[illegible]भज्ञवायपाशभायनेनमः [illegible]
[illegible]यनीउयहश्रीउरायनम नमः[illegible]य
[illegible]पलेदिरूयकपाशि [illegible]यधीउवरूयप्र
[illegible]मायवेनमः नमः[illegible]यधीउयशीललेदि
वि३॰ रूपिने विरूपाक्षयदेवायभद्रमापालिनाय :
४॰ नमः [illegible]यभवेउवेनमः नमः [illegible]
पा[illegible]यभवरूपायनेनमः नम[illegible]वायमवाय

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भायात्मेयद्विमिश्यपरभयावर्न भक्तमिउंकल
वेयम्कवद्भिः भवमविठिः उम्नद्भुद्वपरंगुहूंठेर
वभूभदम्नः पभिहुमेण्यछिद्गुमयाद्मसूय
उउः उत्मीकंभभावयकलमेणभाविकभा
भभद्वभादभ्रुरभभयामगनीधिंउ उरंक
लेठवम्नकम्नरवपरठेरवः घमीकिउमी।
किउवाठवमगविउविउः भवभमम्नयंभ्रेइं।
उड्भगाइभेवम यःभुउमद्वीविडविट
प्रहेविण्यय भभाधभदूगद्भूमधुंग
विविवउरः ठक्षपंमेुस्ववंविभेगद्वि
ववद्भम मिवमीद्भविसीनायकलेडेप
मवःभ्गउः भकुठवयुभुमापिमेर
भुःभुवकीउराउ। मीद्विः भभयद्व
भुठवमठवमाभवाउ। भूयमिद्वीठव
द्विविठेरवामभभनिद्वकः उभ्नद्भपम

कि॰ मु॰ ९३

तुरग शशिजयं किमुत्तरमः पशुकवक्ले
मीजिः शुद्धिमखेति मह्रं मह्रं शूवीभिवः
इभ्दूवपूयझेनतत्तुभगगापभनभभ। सु
मिकुंठपंकुक्रुमीक्रिंतेवैकवेत्राः ३
भकेडमविमिमेवागमुंसंभुंभुभलयं ४
वभूभमन्कहेतगजांभंगल्लउत्तभः ५
उभिमूतंवमभुभुकैवकभभगन्मूरः भग
येमिवगतुख मन्नभुभुंतु मलयं॥ उभि
कलेगान्तभुतमभुवैकवभुयं भूव
मउनुत्रमैवेमत्राभापभवेमउ भभ
इभुपुवेखचिविउभुमालउत्तभ भेम
चिभुतिवःभवा निंयमन्हपगणः भूयि
शिवतनिभवानिमाहुभूभनिकिनाः॥
इति नैमेणयिभुतिमहंमवपभवाणिनभा
इभभिमंविउभुउँमालंपपरक्कंकले

वि
भु
१२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 3

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

वरमुणभा। रभभिपरभंमक्ठिं सिवांगहुपि
रुधींउरभा मिड्गठगरिरत्रुः भ्रुं भचमेठ
रभरुरीभा ठक्तिरिविंलीडनंरुयेरुये
नभभूरुभ। ठेगवः उठिमुठुपरहुनोंठिवा।
विहुणैभद भूलिभरुमुवरुहुंमिहुयम
भरुभूरुः उठुं तिमभूमिवांभुठिठिं
भदीवुरी भूमवंममतेडिम्ें मभरुपुत्रि
विरमिरी भनमुभं भुनरभू मनूभड
कांभरभा। कभलापठरुकां ठ्रिठिंमा
मदमिनीभ। रभरुभालठगंत्रनगय
ठेपवीतिनीभ। गरुमहुपमीठरंभव
ठलरुवित्रुभा ठ्रिंदडयेपभंरुिवुप
डुकद्वयभंयुरुभा। मभद्भुरुभभयरं
मरुभरुवठेहुरुभा मभ्रुफेवीभद्रेंभुी
मभुरंहू मरुदमिनीभ। ठ्रिंदुमधु
मकलेहुठितिडलभंदतिभा। गजुंमठि

कि
मू
८७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ३५ ॥ [illegible] ३५ ॥

भैरवी — [illegible]

[illegible]

[illegible] देवी [illegible] भैरवः [illegible]

[illegible]

[illegible] देवी [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] देवी [illegible]

वि ५० [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

वि. ५३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
कि॰ [illegible]
५८ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] विजयम् ॥
भैरवः सर्वतोभद्रमात्रि [illegible]
यमा [illegible]
मा [illegible]
वः [illegible] भैरवः [illegible]
[illegible]
[illegible] विभुः कीलकं [illegible]
[illegible] विभुः कील [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ कीलकः ॥
नमो [illegible]
[illegible] ॥
नमो [illegible] विश्वरूप [illegible]
विश्वेशाय महेशाय विश्वरूपाय वै नमः ॥
[illegible] सर्वाय भर्वाय [illegible] ॥

[illegible]

वि. ५१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सान्मद्दे कैलासस्तवनात्तमे मदपातकयुक्तेवायु
क्तेव ह्रपपातकैः एकह्रमहत्तेप्रान्तद्रुते के
लस्तककित न्मद्भेसिद्धीरवाप्रेतिसतिम
ह्रतेसपं यत्तेसद्भुमदसेविभयश्रीसंम
दमुति लुगमल्लैमुतःप्रेत्तमयश्रीसंमद
स्तुति मुत्तत्ते समदसा विमयायमपिमुक्ति
प्रत्तैः तेमुग्धन्देमे रत्नैवत्नैगपि विरस्ता
याम्ललस्तु महत्तेमयकिल्बिषैः तत्त
सेनः प्राप्तुमहत्तेमुक्तदया भुल्लस्तु
याक्रिताः पापैमुघामगुरुत्वलिगैः गैव
तेगधिसेवेसि मदुःसुन्नतस्मसन्नागा इति
तेकधितेसेविमदिमानमं मल्लुकः कैल
वि० स्तवनमुस्त्रापि मायश्रीमातुगेधिस सू
५२ तेद्युःलंगुह्नमदपातकनसनमा सूत्र
पठित्तुमहत्तेमुसिद्धस्वत्वेत्तरः ॥
इति विद्याभट्टकृतौ कैलासस्तवनाम्नि सहिम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वनंयइगङस्येमङ गवं केएिभदमूशुअखूग
कुभूयरुलभा ङरुलं केएिगुलिङंभ्रूकुभरी
विङभुये: भकरकुङलकुवमेधकुमिघ
नेवे लकेदूरयलंधकुंभिङिभहेवरव्रे
ङङ:धूमलिङभखूमेदभरुभदेघ्रि ङङे
गलधङिभुंवेधधेधनभवंधुवि ङङ:सु
मेमङंमवि कसुधरुअवंवदि मूकुङत्तुव
म:भखुकासुधरुभकस्न: ङेमान:कधु
भगभस्मङंभ्रदेङिङखद: ङङभुंकसुधंम
व:भत्तुय भ भयङ्ङ: मधुङउभत्तुङंम
विभकेमेनधूरुधङिभा नगयलउवामेमं
कसुधंवमनंडम मग कसुधवङ्गमि विङ
वि३. भुधुरालंभदग भद्देमेमकधुवल विङ
५३ भुवाङ्किभधुङि गङिमूङवसभुकुवि
कुङ्गभिङ्ङेरुभ: ङंङ्गा:भवकुरुनं विभ्र
मेङभठकुयग विङ्गभुंङउङसमेविंधूधुद

पि॰ ५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वि॰
१०

ह्रुयंताः भ्रमन्मत्त म्लूप न्दुम ब्रुष्ट्य द्वि
उमलगा भष्टमताः भद्रेभद्र पञ्चक कैटिकिः
उतिउ कप्रिमृविभद्र कलाकिंपरभा वि
भुपा ललिप्रहेर्जिपरभपावरभा मूड
परिद्रुभष्ट्र म्लद्रु कौकिः पूद्रिम
विभूयाः भ्रमत्लं ठलभुञ्जभभा उतिवि
भुभद्र भद्र कलवल्लवं रभपल्लः ॥
कैरवी कुउः मूउं भद्र मैव भद्र कलकिंपरभा
कलौ सिद्धि भूमं पूजें वेदें परभपावरभा
मूवं मूवं भद्र मैव जउ सिद्ध नमं मयः च
प्रनमृत सिद्ध सिद्ध दुंपरभपावरभा भद्र
ह्रीः परंभूरं सिद्धि भवम कलौ कैवः
मत्त सिमू वह्नि मिल ह्लीजपरं भद्र
यस्तुष्ट भष्टमल्लत भद्र पञ्चकम प्रुये ः ध
गव क्षिभाप स्तुवे भद्र म नै भद्र व्री म
भजोलिमभक्त उः षड्गप ः भक्रिपालिकः ॥

वि॰
१४

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

वि ११

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नीलकण्ठ
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
कि
१५
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रिये भयाित्रिश्वहं समलमिवंधां येगीसुगात्रमपिड
लंठपरभा। गङ्कविडभुयेःसङ्कभ्रागमक्षाग्रहेवुति प
ठंपृठलभप्रेति स्वागाभपिडलूठभा। ह्रुंविडभुये
भङ्कःपगतिहुवगइयभा। प्रगदगणपेहृभिटक्षेसूक्ष
तिभक्तिलैः हिंतिभेुभलिकिटक्षेटरुलंलठं
गः डट्टंलठंभनुःप्रहुगङ्कविडभुये ः भद
पडकपुक्षेवयुक्षेवहूपपडके ः प्रहुभहेडुह
वमिविडभुगङ्कयेःश्रिये पपभेणटिकिटगैट
हुलेलठंगः डप्तलठंपहंप्रडभङ्कभव
तिलि गभङ्कभभभंगीडं क्षिट्टह्वत्तिकगभ वि
डभुभङ्कयेमेविगक्षंगठविभुति भङ्कभगटभदेभ
विश्रिवियियवप्तुगः विङ्घकुठंपपंकेटि
लक्ष्मभगेठवभा। भ्रिवरिकेहूमेवमिभहुभहेड
भङ्कटग। पगहृत्तगले मेविगयेगःभसूतवः
डपभुपभ्रुविपलंमिवप्रटपगयलः डप्तुगे
भटमेविविडभुभूममंलजङ्कुलेपक्षलं, भम्
वैमेदभक्षपः हेणद्वक्षकृलीतिभुभगयश्रीलठं
गमीभा। भगभन्लङ्घमेवमिगजीपगभपवग ॥

[illegible]

[illegible] लमध्यगः [illegible]
[illegible]
[illegible] त्रिपञ्चवक्त्र [illegible] पञ्चवक्त्रेण [illegible]
[illegible]
[illegible] पञ्चवक्त्रेण [illegible]
[illegible] पञ्चवक्त्रे [illegible]
[illegible] कले [illegible]
[illegible] पञ्चवक्त्रे [illegible]
[illegible]
[illegible] त्रिपञ्चवक्त्र [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] त्रिपञ्चवक्त्र [illegible]
[illegible] ॥ श्रीदेवी [illegible]
[illegible] पञ्चवक्त्र [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

टंप्रभृतिभिः । सूक्ष्मप्रतिविषयस्थानोद्भवैः पि
शिवस्य भगवतो विश्वमातृसूक्ष्मरूपस्थितं सदा
कल्पः सूक्ष्मरूपस्थितं तत्त्वं तत्पदमिति स्मृतम् । सूक्ष्मं
ससगुणं विशुद्धं विशुद्धिभिः करोतु मे सततं कल्प
पंचकं सर्वं यथा भवति ततः सत्त्वैः पूरयेत्
सर्वं सकलभावभावनं गुणैः मितैः पिण्डितं
कौस्तुभवनमालामयः सुवर्णकल्पवल्लीवल्ली
कृष्णभक्तवशः । भक्तिमान् सूक्ष्मरूपधारिव
रूपपिण्डितः । विष्णुं परमं हृदिस्थं
सूक्ष्मं तत्त्वम् । भगवति विविधरूपं
विश्वरूपकः । तस्य सर्वं तत्त्वं त्रिलोके
हंस ह्रीं ऐं सर्वान् लोकान् विनिर्मितं
वरदं श्रीं क्लीं शिवं सर्वपिण्डैः पि
ण्डितः प्रपिण्डितं सर्वं सहजतया
त्रिपुरः ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं सौः

हिं·
विश्व·
प

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पित्रमुग्धभ्रमयन्त्रियाचक्रलिंभदेशुरि ॐहौंक
षिंद्रविमाननिष्ठभूमिदन्त। विरूपाक्षमितुलं
ज्ञीं भद्रपात्रकंदंकलौ ॐहौंधपालेशुहे
विरूपाक्षमितुसंक्रमः सूत्रहः पञ्चिदसु
केतिदहपत्रयुधे ॐ ह्रीं सामगम
भगम्हिमान्तभपटलः श्री
ऋां ऋीं भूयगम् विरूपाक्षमितुलस्तुवे भ
दत्तभभोमाले निकत्तांग्निठवभूणः प
लीसमुद्भौंसविविरूपाक्षमितुभक्षम येन
यवटेदउँभूयैवलगामीश्वर कषंभव
कष्ठपलपनी उभभपागाउ उत्तुंगसूत्रमि
स्तुमिरूपधयमाभोभ्रूय सीकैरवःमग
भमूलिवज्ञभिवटेद्युतिंभद्रसूगी यद्विक
शमवद्रेतिणैभदमूलंनगः गयश्रमम
द्रुभिशुकंउत्तमभक्षयग। विधंतक्ष
गभमसु पातालसूक्ष्मलाडलभा। भाःभाःवि

विरू.
भः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पिशाचरूपे समरूपः विश्वमित्रवदने

ददृशः शुभञ्जयम्पतं नमस्मरतोऽस्तु प्रियम

कुष्ठिलमुखा दृष्टुमाकृष्टिं गतुलं पितृमे

वह्निमतम : ॥ अथ लक्ष्मीजयंतीतः अतम

विभिन्नः नवतं भद्रविघ्नं वाग्नि यज्ञोत्थि

भुवनं स्तुतं मेवतत्तिमेवेत्यदमुखं दृष्टवस्तुः

भद्रेश्च स्तुतं प्राप्ते विमत्रू लक्ष्मीमिगेटातं सिगे

यज्ञजमनुष्युपुस्कृतीजमृतमम गयाभिल

गिरिंमे विपिदृलं दृष्टिकरकमं गणिरस्तु

मयस्तुतं गीतं कृतं गयाविणम स्तुतं स्मरतदृषे

महत्स्तुकैः गपिमरेश्वरी पितरस्मुप्तिमाया

विमतकल्पं तममयः नाश्च्यापये नदृ

दुलमकृष्टलीयतः मजविघ्नजदमवे

मेवं मृदुमममगतजं । भूजसत्रवमलेभ

आगस्तीयया गिरा मयंमया श्रीयोगज

भास्करेभया । ॐ हृद्भ्यो मन्त्रतुसिद्धम

पत

भद्रम : ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पुंसां धाराविष्णुस्नानमात्रेण [illegible]ः मानं मधु[illegible]
[illegible] सद्भवे[illegible] तीर्थे स्नानं [illegible]
[illegible]ः [illegible] प्रतिदिनं [illegible] लिङ्गे [illegible]
[illegible]ः पापः सर्वप्राणिनां [illegible] सर्वपाप[illegible]
[illegible] स्नानमात्रेण [illegible] कोटि
लक्षणैर्वाच्यैः सर्वपापविनाशनं [illegible] स्नानमात्र
[illegible] [illegible] कोटिदानं [illegible] किं वाच्यैः [illegible]
[illegible] विष्णुपदे [illegible] स्नानं
[illegible] प्रतिदिनं [illegible] विष्णुपादे पापं
लक्ष्मीसहितः [illegible] [illegible] स्नानमात्र
[illegible] [illegible] विष्णुपादे [illegible]
कपिला कोटिदानस्य [illegible] [illegible]
[illegible] कोटि [illegible] पातकं [illegible] विविधं विष्णु
[illegible] [illegible] विष्णुपादैः
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
किं कलिकल्मषजालैः विष्णुपादे पापं कोटि
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

पूजमद्वनारकज्ञमा पुपसंक्लिभिमान्निवाभवे
नमकञ्जु मञ्जनऊँ ठलिम्मुमगेवधुकलीठ
उमा धठंभिभमानेयऊँ मञ्जयानेनवैगलिं भ
उञ्जेयमजवकुंनेयमञ्ज ठिंएभऊमा ञ्जनेभिमेउ
पहैवभाव पंञ्जनञ्जकावि मुणभड्डेःमुऊः
भूतुंभरःपञ्ज ठिंएखिप पद्मःञ्जनेयउ
भूउयंकेभरगाविऊमा ऊञ्जलेमञ्जऊःभुंऊ
भरःपञ्जठिंभदग पवांकेएभञ्जम
मुं विषिमञ्जमुयञ्जलमा ऊञ्जलेलकऊ
भञ्जभानाञ्जञ्जभगेवा पूयानेनेभिषपहे
गञ्जभगाभञ्जमे मुकलंभानऊकेवि
कञ्जलंपञ्जयाञ्जः विऊभुपञ्जभञ्जभञ्ज
गऊञ्जलभञ्जपञ्ज मुञ्जभूञ्जकुकञ्जवि मञ्जभा
सिलागुभमुञ्जवेः ञ्जलमाऽमभञ्जउेल ऊञ्जभा
लेयाभपावनेः भिलिऊयञ्जमनभीभञ्ज
पांउकञ्ज ठिणी मञ्जकञ्जमनगेभविऊभुए
भुवऊञ्ज ऊहैवभुमकंञ्जेभञ्ज ञ्जभिक्युनया

[illegible]

[illegible]

श्रीमत्क्रमभैरवेण [illegible]मण्डल[illegible]पूजि[illegible] श्रीम

[illegible]

[illegible] निखिल[illegible]

[illegible] निखिला[illegible]

[illegible] श्रीमा[illegible] । [illegible]

[illegible] निखिला[illegible] निखि[illegible]

[illegible] भैरवा [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] निखिला[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] निखिल[illegible] : [illegible]

[illegible]

[illegible] : [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नृसिंहकवचे देवि सन्ध्यं पद्मभैरवं भ्रातृ भक्तिभवा
प्रोक्तं विलिख्य यः कृत्वा जयां लभा। डाकिनीपद्म
देवि नृसिंहकवचे धाम भक्तं भक्तं सर्वविघ्नविना
शे सिद्धिं लभते ध्रुवं॥ अष्टैश्वर्यकवचं श्रावयेत्
पञ्चभैरवं निगलाष्टकं देवि सम्पुटं श्वेत
पत्रकः अष्टैश्वर्यकवचं सम्पुटं तु भजेद्
धि सिद्धिस्तु भुक्तिमाप्नोति कल्याणं सततं जपः
नृसिंहकवचं स्तुतिं लभते भक्तिं प्राप्नोति भक्त
तु तत्कवचं सर्वविघ्नघ्नं मन्त्रं डाकिनी
नाः भक्तं नृसिंहं पठेत् सततं भक्तिं
श्रीमति डाकिनी सिद्धिं लिखित्वा नृसिंहकवचं पठेत्
नृसिंहमन्त्रं कवचं। भक्तिं भक्तं देवि विलि
ख्य तद्धारयेत्। स्वर्णं कवचं देवि विलिख्य
पञ्चभैरवं निगलाष्टकं भक्तं देवि नृसिंहक
वचं पठेत् सिद्धिं भक्तिः श्रेयः भक्तिं
भक्तिं पठेत् सर्वं सिद्धिं ददाति कवचं पठेत् नृसिंह

वि
विश्वः
भ.

[illegible]

कि
मु.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

८१

ऽः पञ्चभिस्तुति अभ्यस्तुत्तः श्रेत्रं पूजा श्र श्र
पाति पूज्यं मत्रः श्रद्ध मत्र भवकिलि
षैः भक्तिर्भवलोके विभ्रद्धं पूजा भक्तिर्भ
भक्तप्रकल्पते वायुत्तेव हृत्पदके ः पूज
स्मभक्तिर्भ श्रद्धं मत्र महेश्वरस्य पूज
भक्तिर्भवति मूर्त्तं विपन्नः पितृ पू
मिश्र यान्ति मत्कल्पं मंमय ः उिलम
नंमणे मन्पश्री भक्तिर्ल भवम यकारि
नेत्रं हृत्तं ते लभस्य यान चर्चा
विनाश्य ये विश्वमय मत्स्थित जले
वत्रमत कल्पं भपि प्रकृति भक्तिभजन श्री
नंद विभमेलवन ननं मन्तु विश्वय वि
विवन्दले मन्मूर्ध्द ये ः नृत्तं मयनन्दं
लक्तंभवतु ः जलेभवन्ति
वि॰ तु पूजा भक्तिर्भ पूजा भक्तिर्लविय ः श्र
यात्रजभवतु भयातिपत्रं भिव श्रप
नमे मित्रः पूजा भक्तिर्भम नाद्धं भज

[illegible]

[illegible]

मायुधं स्मश्च कृते: मत्त्वाश्चेन: भ्रगुप
हृदं भव किल्पिये: भद्रयात्क हृदे स्व
तस्मै किल्पिये) कपिलानं भद्र म
भव स्त्रय हले गहलं भ भवा मेति भ्रात
गीजे स्वत्त्वक भवभद्र भू भवा कलिपय
स्तम हलं भ भेति भव: भ्रात गीजे
स्वत्वक लेति भ भियानं हलं भव
भूमी भत्त गीजे भं भ्रात हुदं भगवा
वा एक नभ पिम त्रेभ भ्रव्यक भा यत्त
मूहं जवं स्वत्त्व छे गीजे भयवे पित
मू भियात्ति सतकलं नभं भय: तिला
गधिम तत्त्व हृदय भाय सिव मत्त
हलभ भेति भव भूच्ये हमभ भव
तमूविपिन विभान भति होगी भघो
तिचीत्रोत्र: भ्रनं भत्त भमत्र गं भ
द्रभद्र विविपिन्नेन भूमी भत्त भ्रज

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि॰ [illegible]
वदः मूलः [illegible]
१४ [illegible]

[illegible]

[illegible]

फलं भवेत्। यस्तु [illegible]

[illegible]

फलं [illegible]। यस्तु [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वि॰

[illegible]

येगान्धर्वसिलकूपं भुवि दिव्यं भुवनेश्वरं ख
ण्डं भा मेरुविविधिस्थानालंकृतः तिम
ण्डलंमध्ये भूमेर्वैरवमध्यः वरयम
मरुतः सिलांतर्देवगौरैः उत्तमरूति
यः कश्चित्सिलायां पापनिर्णाशं भुपत्रः पु
प्येभक्तेर्भक्तेरवजुगाग भक्त्यागनैचा
त्रैः पशुसिद्धकलङ्कैः भगमन्त्रधापि
धन्ती विद्यास्थानविश्वी भोगैः स्कन्दम
मुक्तिभोग्य कुरुभपायाग कभान्वभ्रय
कुम्भीसिलं तवीमभयान गान्धम
न्ते विविधैर्धनपालकैः कभ्रम
भागधीरेउ तिमह्नं वप्रसिद्धि डीर्णंकरू
नमगाद्धिप्रियं जलतद्वराकः गतीश्वरं
विद्या भद्रेविद्यायानरूवनंखवभा उत्तमपुष्प
कोटिदेवी उदेव चित्तभागतः देवः
रम्यशुरूपिसेवामि विद्यभागरत्नम ॥

[illegible]

७·

मजनमी विधुणाथुं मजुमहेडपाउकै:
पीउद्रेणीमयी कमै विधुहणमिजड
सुये माझुमविबुनापहालेः सारे
नजडःचाः उंडबुनजडयेसमजु
लेमुजडःपम डपिमुद्दषिमजु
यंपाडिडयनमपाथमः मजयपावीवि
मुडायगडिवीषुः पंपनमा मुडहरा
रुभानमीविडभुथलमभूड पर
पीउविडभैवविडभुमहमीनमी दे
व सुपिमकाहुडि भाडषमजुलेनाणा
सुषिमडभूकं लाबुठवेलभाथमी
मुमण भाम्भहुठगडेयहमहुले
केविमभडः भूणाभेलैरदानुडु
विउभुपमांनमी कलिकलेहु
डएनुवरुदहस्विकानुपि ॥

११२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कि मु:

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री
P.
03

असतो मा सद्गमय

[illegible]